

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग П---खण्ड 3---उपखण्ड (11)

PART II—Section 3—Sub-section (13)

प्राधिकार से प्रकाशिल

PUBLISHED BY AUTHORITY

संo 88]

नर्षे दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 26, 1974/फाल्ग्म 7, 1895

No. 88]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 26, 1974/PHALGUNA 7, 1895

इस भाग में भिजन पूष्ठ संख्या की जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलम के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th February, 1974

S.O. 122(E)/IDRA/74/3.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 98(E)/IDRA/29B/73/1, dated the 16th February, 1973, namely:—

In the said notification.—

- (i) in Schedule IV, after item No. (6), the following item shall be added, namely:—
 - "(7) Beer falling under '(2) Other products of fermentation industries' under the heading "26. FERMENTATION INDUSTRIES.";
- (ii) in Schedule V, after item No. 10, the following item shall be added, namely:—
 - "(11) Steel forgings falling under '(3) Iron and steel castings and forgings' under the heading "1, METALLURGICAL INDUSTRIES".
- 2. In pursuance of sub-section (2) of section 29B of the said Act, the Central Government hereby specifies a period of six months from the date of publication of this notification as the period after the expiry of which no owner of any industrial undertaking engaged in the manufacture of beer or steel forgings shall carry on the business of such undertaking, except under and in accordance with a licence issued in this behalf by the Central Government and in the case of State Governments except under and in accordance with the previous permission of the Central Government.

[No. F. 12(21)L,P./74] S. K. SAHGAL, Jt. Secy.

धौद्योगिक विकास मंत्रालय

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1974

का० झा० 122 (भ्र)/म्राई० झी० म्रार० ए०/74/3.—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास म्रोर विनियमन), म्राधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 29ख की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भौद्योगिक विकास मंत्रालय (भौद्योगिक विकास विभाग) की म्राधिसूचना सं० का० म्रा० 98 (ई)/म्राई डी म्रार ए/29ख/73/1, तारीख 16 फरवरी, 1973 में निम्नलिखत म्रीर संशोधन करनी है, म्रर्थात् :—

उक्त ग्रधिसूचना में.--

- (i) श्रनुसूची IV में, मद सं० (6) के पण्चात् निम्नलिखित मद जोड़ी जाएगी, श्रर्थात्:-"(7) "26 किण्वन उद्योग" शीर्षंक के नीचे, "(2) किण्वन उद्योगों के श्रन्य उत्पाद"
 के श्रन्तर्गत श्राने वाली बीयर :
- (ii) म्रनुसूची v में, मद सं० 10 के पण्चात्, निम्नलिखित मद जोड़ी जाएगी, म्रथात्:— "(ii) "1. धातुकर्मीय उद्योग" शीर्षक के नीचे ,
 - '(3) लोहा श्रीर इस्पात की ढलाई श्रीर गढ़ाई' के श्रन्तर्गत श्राने वाली इस्पात की गढ़ी हुई वस्तुएं।
- 2. केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधितियम की धारा 29ख की उपधारा (2) के अनुसरण में, इस श्रिधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से छह मास की श्रविध को उस श्रविध के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसकी समाप्ति के पश्चात्, किसी श्रौद्योगिक उपक्रम का कोई स्वामी, जो बीयर या इस्पात की गृष्ठी वस्तुश्रों के विनिर्माण में लगा हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त जारी की गृष्ठ किसी श्रनुकृष्ति के श्रधीन श्रौर उत्तके श्रनुसार के सिवाय, श्रौर राज्य सरकार की दशा में, केन्द्रीय सरकार की पूर्ष श्रनुक्ता के श्रधीन श्रौर उस के श्रनुसार के सिवाय, ऐसे उपक्रम का कारबार नहीं चलाएगा।

[सं० फा० 12(21) एल पी/74] एस**० के०** सहगल, संयुक्त सचिव।